हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 20 अप्रैल 2026

तापमान
अधिकतम 41.0 डिग्री
न्यूनतम 21.0 डिग्री

12 कोनसीवास रोड पर एक दर्जन झुग्गियां आग लगने...

12 सेवानिवृत्त रेलवे कर्मियों ने की 8वें वेतन आयोग...

राव समर्थक अपने पसंदीदा चेहरों को टिकट दिलाने के लिए काट रहे चक्कर

एमएलए चुनाव से कम नहीं 'चौधर की जंग', टिकट को लेकर घमासान

घोषणा के साथ ही 'बगावत' का रुख अपना सकते हैं दिग्गज, कांग्रेस में सिंबल को लेकर तस्वीर अभी तक नहीं हो सकी साफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

नगर परिषद व धारूहेड़ा नगर पालिका चुनाव को लेकर टिकटों की घोषणा किसी भी समय हो सकती है, लेकिन प्रमुख दलों भाजपा और कांग्रेस दोनों में टिकट के लिए जमकर घमासान चल चुका है। दोनों ही दलों में एक ओर जहां टिकट फाइनल होते ही 'बगावत' के स्वर बुलंद हो सकते हैं, तो दूसरी ओर चुनाव में अंतिम वोट तक भीतरघात की पूरी आशंका बनी रहेगी। दोनों निकाय में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की भूमिका को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जो अभी तक टिकट को लेकर भी पूरी तरह चुप्पी साधे हुए नजर आ रहे हैं। शहर की 'चौधर' की इस जंग में टिकट को लेकर भाजपा बाहर से भले ही एक नजर आ रही हो, परंतु अंदरखाने खेमेबंदी की शिकार बनी हुई है। राव इंद्रजीत सिंह का हर चुनाव में विरोध करने वाला भाजपा का एक खेमा टिकट को लेकर पूरी तरह शांत बना हुआ है, परंतु राव समर्थित प्रत्याशी को टिकट मिलने की सूरत में यह खेमा हर हाल में पार्टी प्रत्याशी को नुकसान पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इस खेमे से जुड़े नेताओं ने पिछले नप चेयरमैन के चुनावों में राव समर्थित पूनम यादव को टिकट मिलते ही उन्हें हार के मुंह में धकेलने में पूरी ताकत लगा दी थी। पूर्व विधायक रणधीर सिंह कापड़ीवास ने पार्टी प्रत्याशी का खुलकर विरोध किया था। अगर भाजपा शीर्ष नेतृत्व की ओर से राव को टिकट के मामले में साइडलाइन किया जाता है, पार्टी के लिए टिकट को जीत में बदलना इतना आसान नहीं होगा। पसंदीदा चेहरों को टिकट नहीं मिलने की सूरत में अंदरखाने राव अगर खास समर्थकों के सिर पर हाथ रखते हैं, तो शहर और धारूहेड़ा दोनों निकाय में भाजपा के लिए जीत की डगर काफी मुश्किल हो जाएगी। इन हालात को देखते हुए जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली के लिए खेमेबाजी को पाटकर पार्टी प्रत्याशियों को जिताने की जिम्मेदारी काफी बढ़ चुकी है। संभावित भीतरघात को टालने के लिए पार्टी के चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी से लेकर दूसरे नेता एक-एक कदम फूंककर उठा रहे है।

रेवाड़ी। नगर परिषद कार्यालय।

पुराना अनुभव नहीं भुला रही कांग्रेस

नगर परिषद चेयरमैन के पिछले चुनावों का अनुभव कांग्रेस भुला नहीं पा रही है। पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने अपने भतीजे की बहू को कांग्रेस की टिकट पर मैदान में उतारा था। इसके बाद उनके कई समर्थकों ने ही 'परिवारवाद' का बढ़ाने के आरोप लगाते हुए विरोध करना शुरू कर दिया था। यही कारण था कि कांग्रेस प्रत्याशी उस चुनाव में भाजपा को सीधे टक्कर देने की स्थिति में भी नहीं रही। भाजपा के एक खेमे की बगावत ने निर्दलीय प्रत्याशी को भाजपा प्रत्याशी के सामने मजबूत स्थिति में खड़ा कर दिया था।

बढ़ जाएगी निर्दलीय प्रत्याशी की संख्या

चौधर की इस जंग में काफी समय से कूदने के लिए तैयार शहर में मजबूत पकड़ रखने वाले कई चेहरे टिकट नहीं मिलने पर भी चुनाव लड़ने की ताल ठोकने के लिए तैयार हैं। इनमें भाजपा और कांग्रेस के साथ-साथ दूसरे दलों से जुड़े चेहरे भी निर्दलीय चुनाव लड़ने की तैयारी में लग चुके हैं, जिससे इस बार इनकी संख्या काफी बढ़ सकती है। प्रभावशाली चेहरों के मैदान में आने के बाद टक्कर आमने-सामने की बजाय बहूकोणीय भी हो सकती है।

राव समर्थक भी दो गुटों में विभाजित

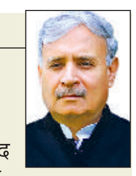

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह समर्थक भी टिकट के मामले में एकमत नहीं रहे हैं। दो खेमों में बंटे राव समर्थक अपने-अपने पसंदीदा चेहरों को टिकट दिलाने के लिए राव दरबार में उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। हालांकि टिकट फाइनल होने के बाद यह समर्थक एक प्लेटफार्म पर नजर आएंगे, परंतु इससे पहले दोनों खेमों से जुड़े समर्थक अपने-अपने प्रभाव का पूरा इस्तेमाल करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। पूरे मामले में राव 'वेट एंड वाच' की नीति अपना रहे हैं।

कांग्रेस में दावेदारों से ज्यादा विरोधी

कांग्रेस में टिकट को लेकर खींचतान इस कदर बढ़ चुकी है कि पार्टी को चेयरमैन का चुनाव सिंबल पर लड़ने के निर्णय पर भी पुनर्विचार करना पड़ रहा है। पूर्व मंत्री शकुंतला भगवाड़िया की बेटी नीलम भगवाड़िया का नाम टिकट के दावेदारों में सबसे ऊपर आते ही एक दावेदार ने उन्हें 'बाहरी' बताते हुए खुलकर विरोध करना शुरू कर दिया है। टिकट नहीं मिलने की सूरत में यह दावेदार निर्दलीय चुनाव लड़ने तक की चेतावनी दे चुका है।

भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना पोपली।

कैंटर की टक्कर से बोलेरो सवार की मौत, 4 घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर निखरी के पास बोलेरो गाड़ी को कैंटर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में बोलेरो में सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। कैंटर चालक मौके से फरार होने में कामयाब हो गया।

गुरूग्राम के बसई निवासी योगेश अपने अन्य साथियों के साथ बोलेरो गाड़ी में जा रहा था। निखरी के पास एक कैंटर गाड़ी ने बोलेरो को टक्कर मार दी। इससे बोलेरो में सवार सभी लोग फंस गए। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना देकर बोलेरो में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी घायलों को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने योगेश को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने रविवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने कैंटर चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

डंपर ने कार को मारी टक्कर, चालक घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

जैसलमेर नेशनल हाइवे पर रविवार दोपहर पाली फ्लाईओवर के पास एक डंपर ने कार को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। डंपर चालक मौके से फरार होने में कामयाब हो गया।

हाइवे पर गुजरात के पंजीकरण नंबर की एक कार नारनौल की ओर जा रही थी। पाली फ्लाईओवर के पास पहुंचते ही एक तेज रफ्तार डंपर ने कार को पीछे से टक्कर मार दी। इससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। चालक कार में ही फंसकर घायल हो गया। आसपास के लोगों ने चालक को तुरंत कार से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने के बाद थाना खोल पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने डंपर चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

खबर संक्षेप

चोरी के तीन आरोपी प्रोडक्शन वारंट पर

बावल। पुलिस ने गत 2 जनवरी को थाना क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात के बाद दर्ज मामले में तीन आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। थाना खोल पुलिस ने खोरी में दुकानों के ताले तोड़कर चोरी करने के आरोप में राजस्थान के फतेहपुरा निवासी राजेश, गंडाला निवासी कपिल और विजयपाल को गिरफ्तार किया था। इन आरोपियों को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया था। अब तीनों आरोपियों को बावल थाना पुलिस ने कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। तीनों जनवरी माह में हुई चोरी की वारदात में सलिप्त बताए जा रहे हैं।

सड़क हादसों के आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसों के बाद दर्ज किए गए मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना सदर पुलिस ने 18 अप्रैल को हुए हादसे के बाद घायल के बयान पर केस दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में रोहतक के कृपाल नगर निवासी अजीत को गिरफ्तार किया है। थाना कोसली पुलिस ने बाइक की टक्कर से युवक की मौत के बाद 12 अप्रैल को केस दर्ज किया था। बाइक चालक मौके से फरार हो गया था। इस मामले में जुड्डी निवासी दीपक को बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक आरोपी काबू

कोसली। पुलिस ने विवाहिता को दहेज की मांग पर प्रताड़ति करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला की शिकायत पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे। बातचीत सिरे नहीं चढ़ने के कारण पुलिस ने उसके ससुराल पक्ष के तीन लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में पुलिस ने भिवानी के हांसी गेट निवासी अरिहंत को गिरफ्तार किया है।

रिमांड पर लिए गए चोरी के दो आरोपी

बावल। पुलिस ने चोरी के मामले में दो आरोपियों को कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर रिमांड पर लिया है। पुलिस ने बीते दिनों यूपी के पावी सादकपुर निवासी जगदीश और नजफगढ़ निवासी देवेंद्र को चोरी के आरोप में गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया था। इन आरोपियों की संलिप्तता बावल थाने में दर्ज चोरी के मामले में भी पाई गई। पुलिस ने कोर्ट से दोनों आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर लिया है।

कोर्ट से घोषित किया गया पीओ काबू

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने कोर्ट से घोषित किए गए एक पीओ को गिरफ्तार किया है। अदालत में चल रहे एक मामले में सांपली निवासी कमल लगातार अनुपस्थित चल रहा था। कोर्ट ने गत माह नोटिस देने के बाद उसे पीओ घोषित कर दिया था। उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए थे। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने 17 अप्रैल को केस दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार दंपति गंभीर

धारूहेड़ा। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर हीरो कंपनी के सामने रविवार सायं कार की टक्कर से स्कूटी सवार दंपति घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में दाखिल कराया गया है। मूल रूप से यूपी निवासी रोहित अपने परिवार के साथ जोनियावास में रहता है। वह एक कंपनी में नौकरी करता है। शाम के समय वह अपनी पत्नी के साथ स्कूटी पर जा रहा था। हीरो कंपनी के सामने होंडा सिटी कार ने उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक फरार हो गया। सड़क पर गिरने से रोहित व उसकी पत्नी घायल हो गए।

रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाने के लिए चला अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

जिला पुलिस व स्वैट टीम ने थाना कोसली व रामपुरा क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से रहने वाले रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाने के लिए सर्च अभियान चलाया। अभियान के दौरा पुलिस ने ईंट-भट्ठों, झुग्गी-झोपड़ियों, होटल, पोल्ट्री फार्म व अन्य संदिग्ध स्थानों पर रहने वाले लोगों की जांच की। पुलिस टीम ने बाहरी श्रमिकों की जानकारी लेकर उनके पहचान पत्रों व वाहनों के कागजातों की भी जांच की। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि जिले में अनाधिकृत रूप से किसी को भी रहने की छूट नहीं है। बाहरी लोगों की पहचान के लिए पुलिस का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

रेवाड़ी। अभियान के दौरान लोगों के पहचान पत्रों की जांच करती पुलिस।

बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की बताईं चुनौतियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

सामाजिक संस्था श्रीराम शाखा भारत विकास परिषद की ओर रे माजरा गुरदास स्थित प्राचीन शिव मंदिर में अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था की ओर से लोगों को पर्यावरण को हरा-भरा बनाने और प्रकृति के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने मंदिर परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार, छायादार और सजावटी पौधे रोपित किए। रोपे गए पौधों में प्रमुख रूप से पपीता, करीपत्ता, गुलाब, मोगरा और मनी प्लांट शामिल थे। संस्था के सदस्यों ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी देखभाल करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मंदिर के पंडित ने रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। इसके बाद संस्था सदस्यों ने ग्रामीणों को पौधों का वितरण भी किया। इस अवसर पर श्रीराम शाखा के अध्यक्ष सीए जतिन सैनी ने कहा कि पृथ्वी हमारा घर है और इसकी रक्षा करना सभी का परम कर्तव्य है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण ही एकमात्र स्थाई समाधान है। शाखा संरक्षक सीए जितेश अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल पर्यावरण को लाभ होता है, बल्कि समाज में एकजुटता और सहयोग की भावना भी सुदृढ़ होती है। शाखा के कोषाध्यक्ष सीए अमन गुप्ता ने सभी सहयोगियों और ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में पौधे वितरित करते हुए संस्था सदस्य।

युवक ने फांसी का फंदा लगाकर की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

सरस्वती विहार में किराए के कमरे में रह रहे मूल रूप से बिहार के युवक ने शनिवार की रात फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने के बाद मॉडल टाउन थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा दिया।

बिहार के बंगरा का रहने वाला 30 वर्षीय अजमल अली शहर में गन्ने के जूस की रेहड़ी लगाता था। वह सरस्वती विहार में किराए का कमरा लेकर रह रहा था। रात को खाना खाने के बाद वह अपने कमरे में सो गया था। रविवार सुबह जब वह देर तक बाहर नहीं आया, तो पड़ोस में रहने वाले लोगों ने उसे आवाज लगाकर उठाने की कौशिश की। जब कमरे से कोई जवाब नहीं मिला, तो लोगों ने कमरे में झांककर देखा। उसका शव फंदे पर लटक रहा था। सूचना मिलने के बाद मॉडल टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। दरवाजा तोड़कर पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।

जानलेवा हमले का तीसरा आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कुंड

खोल थाना पुलिस ने गत वर्ष नवंबर माह में गांव आलियावास के एक व्यक्ति से मारपीट कर जानलेवा हमला करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव आलियावास निवासी सतीश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत वर्ष 23 नवंबर को गांव आलियावास निवासी सुरेंद्र सिंह ने अपनी शिकायत में बताया था कि 21 नवंबर 2025 की रात को वह अपने खेत में पानी लगा रहा था। इसी दौरान उसके गांव के हवासिंह, रामनिवास व सतीश वहां आ गए। उसने आरोप लगाया कि इन लोगों ने आते ही उस पर लाठी व तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। इसके बाद वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। उसे लेने के लिए नवीन व शिव कुमार खेत में गए थे। इन लोगों ने उन पर पर भी धारदार हथियारों से हमला कर दिया। पुलिस ने मामले में संलिप्त दो आरोपी हवा सिंह और उसके पिता रामनिवास को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने शनिवार को मामले में संलिप्त एक और आरोपी गांव आलियावास निवासी सतीश कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

प्लास्टिक प्रतिबंध पर ड्राइंग प्रतियोगिता में साहिल विजेता

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

स्वच्छ भारत मिशन के तहत जिला नगर आयुक्त ब्रह्मप्रकाश और कार्यकारी अधिकारी अरुण नांदल के मार्गदर्शन में स्वामी उमा भारती पब्लिक स्कूल में प्लास्टिक प्रतिबंध को लेकर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस मौके पर जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया। स्वच्छ भारत मिशन के प्रोजेक्ट मैनेजर कृष्ण सभ्रवाल ने बच्चों को प्लास्टिक से होने वाले नुकसानों के बारे में अवगत कराया तथा कागज से बनी वस्तुओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने आकर्षक पेंटिंग के साथ-साथ पेपर बैग बनाए। ड्राइंग प्रतियोगिता में कक्षा आठवीं के साहिल ने प्रथम, कक्षा सातवीं की यशिका ने द्वितीय तथा कक्षा आठवीं की छात्रा कश्यपी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वही कक्षा आठवीं से प्रगति और लकी तथा कक्षा सातवीं के सेजल, काव्या और विभूति ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। विद्यालय के प्राचार्य दीवान सिंह ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताया।

सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश यादव ने केंद्रीय व राज्य प्रदूषण बोर्ड को शिकायत भेजकर कार्रवाई की उठाई थी मांग

खुले में कचरा जलाने पर प्रशासन का एक्शन, 25 हजार का ठोका जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

जिले में लंबे समय से बढ़ रही कूड़ा डंपिंग और प्रदूषण की समस्या पर अब प्रशासनिक कार्रवाई शुरू हो गई है। जिला सचिवालय के नजदीक कूड़ा डालने और उसमें आग लगाने के मामले में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण यानि एचएसवीपी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। गत 16 अप्रैल को सचिवालय के पीछे स्थित कंटनेर डिपो के पास एचएसवीपी की जमीन पर कचरा जलते हुए पाया गया था, जिसको लेका गांव खरखड़ा निवासी सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश यादव ने केंद्रीय व राज्य प्रदूषण बोर्ड को शिकायत भेजकर की कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने विभागों को भेजी शिकायत में बताया था कि सचिवालय के पीछे बड़े स्तर पर सीएंडडी वेस्ट और कचरा डाला जा रहा है तथा उसमें आग लगाकर जहरीला धुआं फैलाया जा रहा है, जिससे आमजन के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा बना हुआ है। शिकायत के बाद हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण किया। जांच में कूड़ा डंपिंग और कचरा जलाने के प्रमाण मिलने के बाद विभाग ने एचएसवीपी को नोटिस जारी करते हुए 25000 रुपये का जुर्माना भरने के निर्देश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समय सीमा में राशि जमा नहीं कराने पर आगामी कार्रवाई की जाएगी। प्रकाश यादव ने कहा कि यह कार्रवाई उनकी याचिका पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की ओर से वर्ष 2024 में दिए गए आदेशों के तहत हुई है, जो पूरे हरियाणा प्रदेश में लागू हैं। उन्होंने कहा कि जब नियम पूरे प्रदेश में लागू हैं, तो उनकी पालना भी हर स्तर पर सख्ती से होनी चाहिए।

ब्रास मार्केट में कचरा जलाने पर लगा था जुर्माना

शहर में जगह-जगह लगे कूड़े के ढेरों में आग लगाने की घटनाओं को बार-बार अंजाम दिया जा रहा है। सरकारी जमीनों पर पड़े कचरे में मौका मिलते ही लोग आग लगा देते हैं, जिससे चारों ओर फैला धुआं हवा में जहर घोलने का कार्य करता हैं। मार्च माह में ब्रास मार्केट में जमा कचरे में आग लगा दी गई, जिससे काफी देर तक धुआं फैलता रहा। सूचना मिलने के बाद दोनों जगह फायर ब्रिगेड ने जाकर आग पर काबू पाया। कचरा जलाने पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ने एचएसवीपी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था, लेकिन उसके बाद भी शहर में कई स्थानों पर कचरा जलाने की घटनाएं सामने आई, लेकिन उन पर कार्रवाई शून्य रही।

रेवाड़ी। सचिवालय के पीछे कंटेनर डिपो के पास जलता कचरा। फाइल फोटो।

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।
- हरिशंकर परसाई

कहानी

आशमा कौल

प्यारी की अरदास

आज प्यारी के पोते की शादी है । घर गहमा-गहमी से भरा हुआ है । दूर के रिश्तेदार आने शुरू हो गए हैं । घर में ढोलकी बज रही है, बन्ना –बन्नी के गीत गाए जा रहे हैं ।

प्यारी की उम्र अस्सी से पार हो चली है और उसे घर के सबसे पीछे वाले कमरे में बिठाया गया है। अब वह ज़माना नहीं रहा, जब बड़े-बुजुर्गों को घर के हर काम में आगे रखा जाता था और उनसे हर मसले पर राय ली जाती थी। प्यारी अपने पलंग पर बैठी है, लेकिन उसके कान तो बाहर की तरफ ही लगे हुए हैं। आंखें और घुटने कमज़ोर होते हुए भी आज उसका मन पोते के ब्याह की खुशी की उमंग में उछल रहा है। बीच-बीच में कोई अगर उसके कक्ष के पास से गुज़रता है तो प्यारी आवाज़ें लगाती हैं ताकि सब जान सकें कि वह भी इस घर की खुशी में शामिल है।

'अरे फूफी और फूफा जी आ गए , उनका सामान अंदर ले जाओ'

'बधाई है भाभी, बहूत-बहूत बधाई , मां ठीक है न....' धीमी धीमी आवाज़ें प्यारी के कमजोर कानों में तैर रही हैं, आवाज़ें साफ नही हैं, फिर भी वह समझ गई है कि उसकी दोनों बेटियां और दामाद अभी-अभी पहुंचे हैं। अब वह इंतज़ार में है कि सभी आकर उसको भी बधाई देंगे। वह बार-बार आने वाले रिश्तेदारों की आवाज़ सुनने की कोशिश कर रही है कि उसे भी तो पता चले कि कौन-कौन पहुंच गया है। वह मन ही मन अपनी श्रवण शक्ति को कोस रही है। उसका हालचाल तो सभी पूछ रहे हैं, लेकिन कोई उससे मिलने नहीं आया अभी तक। प्यारी बहूत बेचैन है। घर की कामवाली पारो प्यारी के लिए दिन के भोजन की थाली लेकर आई है।

'अम्मा जी हाथ धो लीजिए, खाना लाई हूँ'

'अरी पारो, तू भी आज बहूत देर से आई मेरे पास। अभी भूख नहीं है , इधर आ मेरे पास बैठ और मुझे बता कि कौन-कौन आ गया है और सबने खाना खा लिया है कि नहीं।'

'अम्मा जी आप खाना खा लो, आज घर में बहूत काम है, मुझे बात करने की फुर्सत कहां हैं, यहां देर कर दी तो मेम साहब बहूत डांट लगाएगी । आपका क्या, आराम से बैठी हो पलंग पर और काम कोई करना नहीं।'

" सच है पारो, अब मैं बेकार हो गई हूं लेकिन बच्चों को देखने का बहूत मन है, वह काम में लगे हैं तो मुझे धीरे-धीरे बैठक में ले जा, जहां ढोलकी बज रही है।'

'ना बाबा ना, मुझे मेमसाहब से डांट नहीं खानी है , आज वह वैसे भी गुस्से मे लग रही हैं । मै उन सबको कह दूंगी कि आप से यहीं आकर मिल लें' – जल्दी से अपना पल्लू झाड़ कर पारो थाली वापस लेकर कक्ष से बाहर निकल गई।

याद आ रहा है प्यारी को अपने बेटे की शादी वाला दिन, कैसे दौड़-दौड़ कर आवभगत कर रही थी, वह सब मेहमानों की । क्या खूब नाची थी वह बारात में कि देखने वाले भी उसका उत्साह देख कर दंग रह गए थे । सुंदर गुलाबी साड़ी और गहनों में वह सभी पर गज़ब ढा रही थी और कुछ को तो यह अंदेशा था कि वह शायद दूल्हे कि मां नहीं बड़ी बहन है। सुबह तारों की छांव में जब वह बहू को लेकर घर पहुंची थी तो उसकी खुशी का ठिकाना ही नहीं था। उसके बर्ताव से बहू, पति, घरवाले, मेहमान और समधी सभी बहूत प्रभावित और खुश थे।

हर जगह 'प्यारी' नाम के ही चर्चे थे और उसके पांव तो खुशी में जमीन पर पड़ ही नहीं रहे थे। अपनी बेटी, दामाद और उनके घर वालों की खातिरदारी में भी प्यारी ने कोई कमी नहीं छोड़ी थी। लेकिन आज उम्र के इस ढलान पर उसकी कोई पूछ नहीं है, यह सोच कर उसका दिल भर आया और आंखें भीग गई । वह सोच रही थी कि वह भी एक ज़माना था, जब वह अपनी सास और मां की परामर्श हर बात में लेती थी और यह आज का मुआ समय जब घर के आखिरी कमरे में उसे अकेले छोड़ दिया गया है। अचानक दरवाज़ा खुलने की आवाज़ से वह सचेत हुई –

" कौन है, आ जाओ "।

मां, मैं हूं कुमुद, कैसी हो तुम।

अरे बिटिया, आ गले लग जा मेरे, बहूत देर से इंतज़ार कर रही थी कि कोई तो आकर मुझसे मेरा हाल पूछे।

"मां, हम सब भाभी का हाथ बंटा रहे थे, आपको पता तो है, वह छोटी-छोटी बातों से परेशान हो जाती है, लेकिन तुम यहां अकेली क्यों बैठी हो, चलो मैं तुम्हें बैठक में ले चलूं'।

'ना बेटा, मैं यहीं ठीक हूँ, तुम सबको परेशानी होगी'।

'नहीं मां, कैसी परेशानी, तुमसे तो घर की रौनक है। दीदी जीजाजी और बच्चे सब वहीं हैं, चलो मैं धीरे- धीरे तुम्हें वहां तक ले चलती हूं।'

बेटी का हाथ थाम कर प्यारी पलंग से उठी और नपे-तुले कदमों से बैठक तक आ गई और सबको दुआएं देने लगी। बैठते हुए प्यारी का हाथ मेज पर पड़े शीशे के गिलास से लग गया और गिलास गिर कर टूट गया। इससे पहले कि कुमुद टूटा गिलास उठाती, भाभी हो हल्ला करती बैठक में आ गई – "लो हो गया काम, अरे अम्मा जी को कौन यहां लेकर आया "।

'अम्मा जी, मैंने आपसे कहा था कि आज वहीं अपने कक्ष में बैठी रहना। काम में मदद नहीं करा सकती हैं, तो कम से कम काम को बढ़ाएं तो नहीं'– तल्ख स्वर में बहू लगभग चिल्लाई तो अम्मा जी घबराहट में कांपने लगी कि शायद उससे कुछ बहूत बड़ा नुकसान हो गया है, तभी पारो आई और शीशा समेट कर ले गई। बेटियां जो सब देख-सुन रही थी, उन्हे भाभी की बात अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे उसके स्वभाव से परिचित थी इसलिए कुछ कह नहीं सकी और अम्मा जी भी वहीं चुपचाप कुर्सी में धंस सी गई ताकि माहौल खराब न हो ।

'आप सब लोग अब जाने की तैयारी करो और बच्चों को भी जल्दी तैयार करो, दो घंटे में घुड़चढ़ी का मुहर्त है, बारात समय से निकले तो अच्छा है' अचानक बेटे की आवाज सुन अम्मा जी निहाल हो गई और वह पोते के साथ गाड़ी में बैठ कर जाने के ख्वाब बुनने लगी।

सब छोटे-बड़े मानो तैयार होने की प्रतिस्पर्धा में जुट गए, कोई घर में तो कोई पार्लर में । अम्मा जी फिर अकेली रह गई। वह सोच रही थी कि आज इस बड़ी खुशी में बेटा-बहू उसको नई साड़ी देंगे और सम्मान से साथ ले जाएंगे। वह अभी इन्हीं ख्यालों में थी कि बहू की आवाज उसके कानों में पड़ी –

"अरी पारो, यह लो तुम्हारा नया सूट, चलो जल्दी पहनो और तैयार हो जाओ "

'लेकिन मैडम जी , फिर घर में कौन रहेगा'।

'अम्मा जी है न घर में, तुम उनके खाने की थाली बनाकर उनके पलंग पर रख दो और उन्हें भी उनके कमरे में पहुंचा दो ताकि जब बहू आए तो आगे की बैठक ठीक-ठाक मिले। बाहर के दरवाजे पर ताला रख देंगे। अब जल्दी करो समय निकला जा रहा है'।

यह सब बातें बहू ने ज़ोर-ज़ोर से बोली ताकि सासु मां सुन ले और दोबारा उन्हें न कहनी पड़े। ऐसा ही हुआ, प्यारी ने सब सुना तो उसका दिल टूट गया, लेकिन उसने उसकी किरचें फैलने नहीं दी, अपने ही अंदर समेट ली ताकि वे उसके बच्चों को न चुभ जाए। अधिकतर माएं ऐसी ही होती हैं। उसकी आंख में दो आंसू आए, लेकिन बदशकुनी के डर से उसने उन्हें आंखों की कोरों में ही ज़ज्ब कर लिया। बड़ी बेटी जो सब देख चुकी थी, उससे रहा नहीं गया, बोली – मां मैं तुम्हारे लिए नई साड़ी लाई हूं, वह पहन कर तुम मेरे साथ चलोगी'।

'नहीं बेटा, देर हो रही है, तुम जल्दी तैयार होकर निकलो वरना तुम्हारी भाभी नाराज हो जाएगी' – प्यारी खुद पर संयम रख कर बोली।

उसने बेटी की बात नहीं मानी, उसे तो बेटे से उम्मीद थी कि वह आज जिद करके उसे अपने साथ शान से ले जाएगा। घुड़चढ़ी का समय हो गया था और प्यारी के कानों में बैंड -बाजे की हल्की-हल्की आवाज़ आ रही थी और वह अपने दोनों हाथ जोड़े ईश्वर से बच्चों की सलामती की दुआ मांग रही थी। धीरे-धीरे आवाज़ें आनी बंद हो गई और प्यारी रात भर, नई बहू के आने तक अपने इष्ट से अरदास करती रही ताकि उसके टूटे दुखी दिल से बेटे के लिए कोई बददुआ न निकल जाए।

हर जगह 'प्यारी' नाम के ही चर्चे थे और उसके पांव तो खुशी में जमीन पर पड़ ही नहीं रहे थे। अपनी बेटी, दामाद और उनके घर वालों की खातिरदारी में भी प्यारी ने कोई कमी नहीं छोड़ी थी, लेकिन आज उम्र के इस ढलान पर उसकी कोई पूछ नहीं है।

एआई जेनरेटेड इमेज

सब छोटे-बड़े मानो तैयार होने की प्रतिस्पर्धा में जुट गए, कोई घर में तो कोई पार्लर में । अम्मा जी फिर अकेली रह गई। वह सोच रही थी कि आज इस बड़ी खुशी में बेटा-बहू उसको सम्मान से साथ ले जाएंगे।

पुस्तक समीक्षा

आत्मचिंतन की नई दिशा देती है 'आत्मप्रबंधन

समीक्षक

ममता कुशवाहा

'आत्मप्रबंधन : सफलता की सीढ़ी' केवल एक साधारण निबंध-संग्रह नहीं, बल्कि लेखक नृपेन्द्र अभिषेक नृप के अंतर्मन में उठते विचारों, संवेदनाओं और जीवन-दृष्टि का सजीव दस्तावेज है। यह कृति पाठक को आत्मचिंतन, आत्मसंयम और आत्मबोध की उस यात्रा पर ले जाती है, जहां वह स्वयं से संवाद करना सीखता है। इस संग्रह में शामिल निबंध 'चुप्पी भी बोलती है', 'भीड़ में इंसान गुम क्यों हो रहा है?', 'गलतियों के साए में उगता सुधार का प्रकाश', 'जहाँ झूठ आसान है, वहाँ सच साहस मांगता है', 'यादें: जीवन का सहारा या बोझ?', 'अकेलापन: रिश्तों की भीड़ में एकांत का सच' आदि, जीवन के उन पहलुओं को उजागर करते हैं, जिनसे हम प्रतिदिन रूबरू होते हैं, परंतु अक्सर उन्हें समझने का प्रयास नहीं करते। 'चुप्पी भी बोलती है' निबंध में लेखक मौन की शक्ति को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हैं। उनके अनुसार, मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं, बल्कि अंतर्मन की वह स्थिति है, जो नकारात्मकता को सकारात्मकता में रूपांतरित करने की क्षमता रखती है। 'बदलाव को स्वीकारना भी एक नैतिक साहस है' में लेखक जीवन के अनिवार्य परिवर्तनशील स्वरूप को रेखांकित करते हैं। वे बताते हैं कि परिवर्तन से भयभीत होने के बजाय उसे स्वीकार करना ही जीवन की प्रगति का मूल मंत्र है।

'कठिन समय में चरित्र की असली परीक्षा होती है' निबंध में धैर्य को जीवन की सबसे बड़ी शक्ति बताया गया है। लेखक के अनुसार, विपरीत परिस्थितियाँ ही व्यक्ति के चरित्र को गढ़ती हैं और धैर्य उसे टूटने से बचाता है। वे स्पष्ट करते हैं कि धन, पद और प्रतिष्ठा भले ही बाहरी सुख दें, परंतु सच्चा संतोष केवल संस्कार, ईमानदारी और सहनशीलता से ही प्राप्त होता है। समकालीन समाज में व्याप्त झूठ, पाखंड और दिखावे के बीच लेखक 'चमक के शोर में खोती सादगी की मौन शक्ति' के माध्यम से सादगी के महत्व को पुनर्स्थापित करते हैं। 'जीवन का सफर: योजना और अनिश्चितता के बीच' निबंध में लेखक जीवन की विविधता और व्यक्तिगत भिन्नताओं को समझाने का प्रयास करते हैं। वे पाठकों को यह संदेश देते हैं कि तुलना के बजाय आत्मस्वीकृति और अपनी परिस्थितियों के अनुरूप आगे बढ़ना ही वास्तविक सफलता का मार्ग है। वास्तव में यह कृति पाठक को आत्मविश्लेषण के लिए प्रेरित करती है। यह सिखाती है कि आत्मसंयम, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को नई दिशा दे सकता है। 'आत्मप्रबंधन : सफलता की सीढ़ी' जीवन की उस सच्चाई को सामने लाती है कि यह केवल संघर्षों का नहीं, बल्कि आशाओं, सपनों और संतुलन का सुंदर संगम है।

कवि कॉर्नर

कविता

कियांश जुनेजा

मेरा संकल्प

जुलाई की तीस तारीख थी,
वर्ष दो हज़ार सोलह का,
नन्हीं आंखों में सपना था,
उज्ज्वल भविष्य के लेखा का।
जहां लोग घबराते थे,
उन चमकते औजारों से,
मैंने दोस्ती कर ली थी,
उन सौ अनजाने संसारों से।

डर को मैंने हराया था,
जिज्ञासा को अपनाया था,
ज्ञान की उस रोशनी ने,
जीवन पथ को सजाया था।'
इंडिया बुक' में नाम लिखा,
'एशिया बुक' ने सम्मान दिया,
मेहनत के हर एक पल ने,
मुझे नई पहचान दिया।

पर केवल रिकॉर्ड बनाना,
मेरा मकसद नहीं बना,
हर भारतवासी स्वस्थ रहे
यही दिल का है सपना।
मुस्कान हर चेहरे पर हो,
यही मेरी चाहत है,
स्वस्थ जीवन की ज्योति ही,
मेरे मन की इबादत है।

स्कूल-स्कूल मैं जाता हूँ,
जागरूकता का दीप लिए,
एनजीओ संग कदम बढ़ाकर,
सेवा का संकल्प लिए।
हर बच्चे को समझाता हूँ,
सेहत का सच्चा खजाना,
दो मिनट की सही ब्रशिंग से,
रोगों को दूर भगाना।

देश सेवा ही धर्म मेरा,
यही मेरा अभिमान है,
भारत माँ की सेवा में,
समर्पित मेरा प्राण है।
मुस्कान बने पहचान हमारी,
सेहत हमारी ताकत हो,
हर कर्म में बस देश बसे,
ऐसी मेरी चाहत हो।

रिकॉर्ड तो बस पहला कदम,
अभी बहूत आगे जाना है,
स्वच्छ और स्वस्थ भारत का,
सपना सच कर दिखाना है।
छोटा हूँ पर हौसला बड़ा,
यही मेरा अरमान है,
हर बच्चे की सच्ची हँसी ही,
मेरी असली पहचान है।

टांग अड़ाने का अपना सुख-चैन

व्यंग्य

आसिम अनमोल

टांग अड़ाने में हमारे भारत को कोई नहीं पछाड़ सकता। इसमें हमारा भारत पूरी तरह पारंगत है। टांग कहीं पर भी अड़ा दो। यह यहीं संभव है। हमारा देश तो टांग अड़ाने से ही चल रहा है। सत्ता पक्ष के हाथों में देश की भागदौड़ आ जाए तो विपक्ष का टांग अड़ाते रहना दिनचर्या का काम है। अड़ाएगा नहीं तो उसकी उम्मीदें परवान कैसे चढ़ेंगी। इसलिए टांग अड़ाना नितांत आवश्यक। चाहे घर में बनते हुए काम में टांग अड़ा दो। ऑफिस की फाइलों में टांग अड़ा दो।

रास्ते में बातचीत करते जा रहे राहगीर में अड़ा दो। किचन में बन रहे व्यंजन में अड़ा दो। अच्छा नहीं बना। गरीब के मुश्किल से बन रहे आधार कार्ड में अड़ा दो। पति-पत्नी के फिल्म देखने के प्रोग्राम में अड़ा दो। अड़ाने में कोई बौद्धिक ताकत नहीं लगती। जैसे छप्पर उठाने के लिए नीचे से डंडे अड़ाए जाते थे। वैसे ही आज जगह-जगह टांग अड़ाई जा रही है। टांग अड़ाना भी साहब एक कला है, फिर कला की बेकद्री कैसे की जा सकती है ? टांग सचमुच हर जगह अड़ ही जाती है। माल में खरीदारी करते समय भीड़ में क़दमों की टांग अड़ाई भी हो जाती है। टांग तो टांग है, वो अपनी हरकत से बाज़ कहां आती है। सफल हो रहे रास्तों में भी ऐसे टांग अड़ाई जाती है कि सफलता भी भी टांग अड़ाई पर पीएचडी करने की ठान लेती है। टांग अड़ाना एक अदब का वायज़ बनता जा रहा है। टांग अगर आपने कहीं नहीं अड़ाई तो आपकी टांगों में टांग अड़ा दी जाएगी। बग़ैर टांग अड़ाए इस वतन की मिट्टी में कोई काम हो ही नहीं सकता। ऐसे टांग की अपनी गरिमा बनी रहती है। गरिमा का ध्यान रखते हुए टांग अपना टारगेट हज़ार जगह अपनी टांग अड़ाकर ही पूरा करता है। टांग अड़ाना एक सामाजिक काम हो गया है।

समाज का सहयोग करने के लिए समाज को टांग अड़ाई का जगह-जगह प्रशिक्षण देना भी ज़रूरी हो गया है। जिसे टांग अड़ाना नहीं आता उसे चलते-फिरते लोगों पर टांग अड़ाने का प्रशिक्षण देना ज़रूरी है। टांग अड़ाने में अगर किन्तु परन्तु हो भी जाता है तो भी टांग अड़ाने का हौसला बढ़ाने में सहयोग देना चाहिए। टांग का बड़ा महत्व है। टूटी हुई टांग भी अपनी मशहूरियत का ऐसे खुलासा करती है कि अगर रास्ते में मैंने टांग नहीं अड़ाई होती तो टांग पर चढ़े प्लास्टर की महत्ता कैसे बढ़ती। इसलिए टांग अड़ाना बहूत ज़रूरी है। बग़ैर टांग अड़ाए टांग के होने का महत्व ख़त्म हो जाता है। टांग अड़ाना इंसान का मूलभूत हथियार बन चुका है। टांग अड़ाने में इंसान परिपक्व न होकर भी परिपक्वता को समाज के सामने आसानी से ज़ाहिर कर सकता है। टांग फिल्म जगत में भी खूब अड़ाई जाती है। हीरो-हेरोइन का आपसी प्यार तक खलनायक नागवार गुज़रता है। तभी ढिशुम ढिशुम टांग अड़ाने का प्रतीक बन जाता है। टांग अड़ाना सारे नियम कायदे सामाजिक सरोकारों को ऐसे धता बताते हैं कि लड़के लड़कियों के रिश्तों तक में टांग अड़ाने से बाज़ नहीं आता।

शरीफ़ से शरीफ़ रिश्ते को भांजी मारने वाले अपनी टांग अड़ाई से कहीं ज़ुआरी बना देते हैं कहीं शराबी। अच्छे रिश्ते मिलने के अब इंसान ख्वाब ही देख रहा है। टांग अड़ाना इसका मूल कारण है। टांग अढ़ाई और शराफ़त गीरी का छत्तीस का आंकड़ा हमेशा से रहा है। जितना अच्छा काम करोगे, नेकी के पथ पर चलोगे, उतनी दुगनी ताक़त से टांग अड़ाई जाएगी। आप कोई खराब काम करके देख लीजिए। प्रोत्साहित करने वाले हज़ार मिल जाएंगे । टांग अड़ाने वाला कोई नहीं मिलेगा। पुलिस तो बिलकुल ही नहीं दिखाई देगी। असल में यह मान लेना चाहिए कि टांग अड़ाना एक फैशन है। अड़ाए बग़ैर चैन भी नहीं। आजकल इंसान इतनी समस्याओं में उलझने के बावजूद हर मसले में टांग अड़ा अड़ाकर सुख-चैन हासिल कर रहा है तो इसमें बुराई क्या है। आपके उन्नति के रास्ते पर टांग अड़ाई जा रही है तो आप परेशान न हों। क्योंकि इस टांग अड़ाई में ही आपकी उन्नति उन्नति को उन्नति तक पहुंचा सकती है। टांग अड़ा अड़ाकर मनुष्य ने जहालत को भी शिष्टाचार बना दिया। टांग अड़ाने को सामाजिक पहचान दिला दी। टांग अड़ाने का महत्व हमारे समाज पर इतना मेहरबान है कि अब 2027 में ना जाने कितनी टांगें सियासत की भगदड़ में अड़ाई जाएंगी। अब टांग अड़ाने में देश का हश्र कुछ भी हो लेकिन टांग अड़ाने वाले अपने हश्र का ख्याल ज़रूर रखेंगे। देखते हैं कि टांग अड़ाते-अड़ाते हमारे देश का कितना ख्याल रखती हैं टांगें।

शरीफ़ से शरीफ़ रिश्ते को भांजी मारने वाले अपनी टांग अड़ाई से कहीं जुआरी बना देते हैं कहीं शराबी। अच्छे रिश्ते मिलने के अब इंसान ख्वाब ही देख रहा है। टांग अड़ाना इसका मूल कारण है। टांग अढ़ाई और शराफ़त गीरी का छत्तीस का आंकड़ा हमेशा से रहा है। जितना अच्छा काम करोगे, नेकी के पथ पर चलोगे, उतनी दुगनी ताक़त से टांग अड़ाई जाएगी। आप कोई खराब काम करके देख लीजिए। प्रोत्साहित करने वाले हज़ार मिल जाएंगे । टांग अड़ाने वाला कोई नहीं मिलेगा।

मोटिवेशनल

स्क्रीन टाइम कम करने के उपाय

दिव्या तंवर

मोटिवेशनल स्पीकर

आज की युवा पीढ़ी यानी सोशल मीडिया के बिना एक पल भी कल्पना नहीं कर सकती। इंस्टाग्राम, टिकटॉक, फेसबुक, एक्स (पूर्व ट्विटर) और यूट्यूब शॉर्ट्स हमारे रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। सुबह उठते ही नोटिफिकेशन चेक करना, रील्स देखना और स्टोरी पोस्ट करना – ये सब अब आदत बन गई है। क्या आपने कभी सोचा है कि ये प्लेटफॉर्म हमारे दिमाग पर क्या असर डाल रहे हैं? सकारात्मक पहलुओं के साथ-साथ नकारात्मक प्रभाव भी बहूत गहरे हैं। इस लेख में हम इन्हीं प्रभावों पर चर्चा करेंगे और बताएंगे कि स्क्रीन टाइम कैसे कम किया जा सकता है। सोशल मीडिया सबसे पहले तो ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को कमजोर कर रहा है। 15-30 सेकंड के रील्स और शॉर्ट वीडियो हमें लगातार नई उत्तेजना देते रहते हैं। नतीजा? पढ़ाई, काम या किसी काम पर लंबे समय तक ध्यान लगाना मुश्किल हो गया है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, जो युवा रोज 3 घंटे से ज्यादा सोशल मीडिया पर बिताते हैं, उनकी एकाग्रता का स्तर काफी गिर जाता है। दूसरा बड़ा प्रभाव है तुलना और असुरक्षा की भावना। हम खुद को कमतर समझने लगते हैं, जिससे आत्म-सम्मान घटता है, चिंता बढ़ती है और कई बार डिप्रेशन भी। तीसरा, नींद का बिगड़ना। रात को बेड पर लेटकर स्क्रॉलिंग करने से नीली रोशनी मेलाटोनिन हार्मोन को प्रभावित करती है। चौथा प्रभाव सामाजिक अलगाव है।

स्क्रीन टाइम कम करने के 8 व्यावहारिक उपाय

1. **समय की सीमा तय करें :** फोन के सेटिंग्स में स्क्रीन टाइम फीचर चालू करें। रोज 1-2 घंटे से ज्यादा न इस्तेमाल करने का लक्ष्य रखें। ऐप जैसे फ्रीडम, आफटाइम इस्तेमाल करें जो फोन को लॉक कर देते हैं।
2. **नोटिफिकेशन्स बंद रखें :** हर 5 मिनट में आने वाले नोटिफिकेशन हमें बार-बार खींचते हैं। सिर्फ जरूरी ऐप्स (जैसे व्हाट्सएप) का नोटिफिकेशन ऑन रखें, बाकी सब साइलेंट मोड पर।
3. **डिजिटल डिटॉक्स का अभ्यास :** हफ्ते में एक दिन "नो-स्क्रीन डे" रखें। सुबह से शाम तक सिर्फ कॉल और मैसेज चेक करें, रील्स या फीड न देखें। शुरू में मुश्किल लगेगा, लेकिन बाद में मन शांत महसूस होगा।
4. **फोन को बेडरूम से बाहर रखें :** सोने से एक घंटा पहले फोन बंद कर दें। उसकी जगह किताब पढ़ें या जर्नल लिखें। नींद बेहतर आएगी।
5. **ऑफलाइन शौक विकसित करें :** जिम जाना, क्रिकेट खेलना, पेंटिंग करना, किताब पढ़ना या गार्डनिंग, ऐसे काम चुनें जो आपको खुशी दें। जब मन भरेगा, सोशल मीडिया की याद ही नहीं आएगी।
6. **ग्रेस्केल मोड ऑन करें :** फोन के कलर को ब्लैक-एंड-व्हाइट कर दें। रंगीन रील्स कम आकर्षक लगेंगी और इस्तेमाल अपने आप कम हो जाएगा।

लघु कथा

पहली जीत

वीना सिंह

कहानीकार

राधिका शहर के बड़े कॉलेज में पढ़ने आई थी। अपने छोटे से कस्बे से पहली बार बाहर निकली थीए सो जिम्मेदारियों का बोझ भी साथ था और डर भी। पढ़ाई में तेज थीए साथ ही मन से पूरी तरह ईमानदार भी द्य लेकिन हॉस्टल की लड़कियों को उसका आत्मविश्वास चुभता था।

क्लास में प्रोजेक्ट प्रेज़ेंटेशन होने वाला था। सहेलियों ने तय कर लिया कि राधिका को बोलने का मौका न दिया जाए। श्ज़्यादा अकड़ दिखाती हैए देखो आज चुप कैसे रहती हैएश वे हंस पड़ीं। राधिका को उनके गलत इरादों की भनक लग गई थीए फिर भी उसने बड़ी मेहनत से स्लाइड्स तैयार की द्य मन बैठ रहा थाकृक्या वाकई में वे सब उसे बोलने नहीं देंगीं। प्रेज़ेंटेशन शुरू हुआ। टीम के बाकी सदस्य बारी.बारी से बोले और जानबूझकर राधिका का नाम टालते रहे। जब अध्यापक ने पूछाए श्और तुम्हारा निष्कर्ष कौन रखेगाघ्श तभी चुपचाप बैठी राधिका खड़ी हो गई।उसकी आवाज़ कांप रही थीए पर आंखों में नमी थीए लेकिन मन में दृढ़ता थी। उसने बिना स्लाइड देखेए पूरे प्रोजेक्ट का सार इतनी स्पष्टता से रखा कि सब चकित रह गए। अध्यापक ने वहीं घोषणा कर दीकृश्प्रोजेक्ट का सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतिकरण राधिका का था। राधिका सीट पर लौटी तो तालियाँ गूंज उठीं। सहेलियों की आँखें झुकी रह गईं। उसने गहरी सांस ली और फिर कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा।

कुछ हटकर

बीटेक सीएसई-एआई-एमएल के बाद करियर की भरें उड़ान

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बी.टेक (कंप्यूटर साइंस – ए.आई. एंड एम.एल.) एक चार वर्षीय आधुनिक स्नातक कार्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की गहन समझ प्रदान करता है। विद्यार्थी पाइथन प्रोग्रामिंग, डाटा स्ट्रक्चर, अल्गोरिथ्म्स, डीप लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क्स , डाटा साइंस, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, और कंप्यूटर विज़न जैसे विषयों का व्यावहारिक अध्ययन करते हैं। इसका उद्देश्य केवल कोडिंग सिखाना नहीं है, बल्कि उन्हें इंटेलीजेंट सिस्टम्स और ऑटोमेशन के विकास में सक्षम बनाना है। ए.आई. -ड्रिवेन ऐप्लिकेशन्स, डाटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

उच्च शिक्षा के मौके

यह एक ऐसा कोर्स है जो विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी क्रांति का हिस्सा बनाता है। यह क्षेत्र केवल इंजीनियरिंग नहीं, बल्कि इनोवेशन और ऑटोमेशन का संगम है। सही कौशल, मार्गदर्शन और निरंतर अपडेट के साथ विद्यार्थी इस क्षेत्र में देश और विदेश दोनों में उत्कृष्ट करियर बना सकते हैं।

प्रमुख विशेषज्ञताएं

ए.आई. और एम.एल. के अंतर्गत अनेक शाखाएँ हैं जिनसे विद्यार्थी भविष्य की तकनीक में अपनी विशेषज्ञता स्थापित कर सकते हैं

- एआई इंजीनियरिंग
- मशीन लर्निंग व डाटा एनालिटिक्स
- डीप लर्निंग एंड न्यूरल नेटवर्क्स
- नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग
- रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन
- कंप्यूटर विज़न एंड इमेज रिकग्निशन
- प्रेडिक्टिव मॉडलिंग एंड डाटा माइनिंग

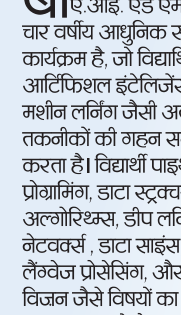

आवश्यक कौशल

छात्रों में निम्नलिखित क्षमताएं आवश्यक हैं ,लॉजिकल थिंकिंग और एनालिटिकल स्किल्स, डाटा मॉडलिंग और स्टेटिस्टिक्स की समझ, पाइथन या जावा जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेज में दक्षता, मशीन लर्निंग लाइब्रेरीज का ज्ञान, प्रॉब्लम सॉल्विंग और रिसर्च ओरिएंटेशन के माध्यम से भूमिका निभा सकते हैं।

निजी क्षेत्र में विकल्प

हर उद्योग चाहे वह हेल्थकेयर हो, फाइनेंस, एजुकेशन या ई-कॉमर्स — अब ए.आई. सोलूशन्स की ओर अग्रसर है। जैसे आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, ,डाटा साइंस और एनालिटिक्स, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स, क्लाउडऔर ए.आई. इंटीग्रेशन

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में ए.आई. & एम.एल. स्नातकों की प्रारंभिक आय लगभग ₹6 से ₹10 लाख वार्षिक होती है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह ₹20 से ₹30 लाख वार्षिक तक पहुँच सकती है।सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी कंप्यूटर साइंस स्नातकों के लिए अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी क्षेत्र में भी ए.आई. और डाटा एनालिटिक्स की भूमिका अब अत्यधिक बढ़ गई है। कई विभाग और अनुसंधान संस्थान ऑटोमेशन , साइबर सिक्योरिटी, डिफेन्स रिसर्च और इ -गवर्नेंस परियोजनाओं में ए.आई. विशेषज्ञों को नियुक्त कर रहे हैं।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन ₹5 से ₹9 लाख वार्षिक के बीच होता है, जबकि अनुभव और शोध अनुभव के साथ यह ₹15 लाख या उससे अधिक तक पहुँच सकता है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

रेलवे स्टेशन पर चलाया स्वच्छता अभियान

नारनौल। दैनिक रेलयात्री जागरूक संघ की ओर से स्वच्छ भारत, स्वच्छ रेलवे स्टेशन अभियान के तहत रेलवे स्टेशन पर विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान संघ के सदस्यों ने स्टेशन परिसर की सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान स्टेशन अधीक्षक से एक पीपल का पौधा भी लगवाया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा सके। संघ के सदस्यों ने स्टेशन अधीक्षक से प्लेटफॉर्म पर डस्टबिन की कमी का मुद्दा भी उठाया, जिस पर उन्होंने जल्द ही अतिरिक्त डस्टबिन लगाने का आश्वासन दिया।

हरे चारे की सवामणी करके लग्न समारोह का शुभारंभ

नांगल चौधरी। ढाणी बाठोठा निवासी प्रशांत कुमार दुल्हे ने गोशाला में हरे चारे की सवामणी करके लग्न समारोह का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं को गोपालन के लिए प्रेरित किया, जिससे भारतीय संस्कृति संरक्षित होगी तथा स्वस्थ भारत का निर्माण में योगदान हो सकेगा। कार्यक्रम में में उड़ान जनसेवा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष मंजीत गुणवाल मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और गाय एक दूसरे की पूरक हैं, लेकिन बीते दशकों से लोगों का रूझान गोपालन से हट गया, जिस कारण खानपान की पौष्टिकता में गिरावट आई है।

हवन व व्यासपीठ पूजा से श्रीमद्भागवत कथा संपन्न

महेंद्रगढ़। शहर की सब्जी मंडी के नजदीक स्थित कमला भवन धर्मशाला में सभी भक्तों की ओर से चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का साध्वी राधा रानी की देखरेख में हवन-पूजन से समापन करवाया गया, जिसका पूजन विद्वान ब्राह्मणों के द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार से करवाया गया। इस कार्यक्रम के यजमान दर्शन खुराना एवं कविता खुराना सपरिवार थे, जबकि प्रसाद की व्यवस्था ऊषा शर्मा पत्नी रवि शर्मा, ममता सचदेवा पत्नी मुकेश सचदेवा, बसंत सेठ व भूषण सेठ अनाज मंडी वालों के द्वारा करवाई गई। यज्ञ देवता की महिमा के बारे में साध्वी राधा रानी ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा की समाप्ति पर हवन करने के पीछे धार्मिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक कारण है। यह अनुष्ठान कथा के समापन का एक विभिन्न हिस्सा है।

शहर हुआ राधामय, गूंजे राधे नाम के जयकारे

नारनौल। संस्था प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 190वीं व 191वीं प्रभात फेरी मोहल्ला बावड़ीपुर व सैनी धर्मशाला सलामपुरा से निकाली गई। सर्वप्रथम मुख्य यजमान दिनेश जांगिड़ व रजन सैनी परिवार के सदस्यों ने पावन ज्योति प्रज्वलित की। संगठन संचालक घनश्याम गर्ग ने बताया कि संगठन की ओर से आज दो प्रभात फेरी का आयोजन अलग अलग स्थान से किया गया। उन्होंने बताया कि चार जून को नारनौल से मां वैष्णों देवी की पांच दिवसीय धार्मिक यात्रा चुलकाना धाम, ब्रम्हसरोवर कुरुक्षेत्र, शिवखोरी, गोल्डन टेम्पल अमृतसर व बाघा बॉर्डर के लिए जाएगी।

प्रभात फेरी में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

नारनौल। शहर में राधे नाम की प्रभात फेरी का सफल संचालन करने वाली संस्था राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 170वीं प्रभात फेरी बड़े ही श्रद्धा, उत्साह व भक्ति भाव के साथ निकाली गई। यह प्रभात फेरी हुडा सेक्टर से आरंभ हुई। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस पावन प्रभात फेरी के यजमान नवीन वर्मा व उनका परिवार रहा। कार्यक्रम की शुरूआत यजमान के निवास स्थान पर ठाकुर जी की भव्य आरती से हुई, जिसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाकर सम्मानित किया गया।

खरीद एजेंसियां स्टोरेज व्यवस्था को बेहतर ढंग से प्रबंधित करें

मंडियों में अब तक 33702 मीट्रिक टन गेहूं की आवक

- 52.27 प्रतिशत मीट्रिक टन गेहूं की लिफ्टिंग पूरी हो चुकी है और शेष फसल की लिफ्टिंग का कार्य किया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिले की मंडियों में रबी सीजन के तहत सरसों व गेहूं की खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि किसानों की उपज निर्धारित मानकों के अनुरूप खरीदी जा रही है और उनकी सुविधाओं का भी ध्यान रखा जा रहा है। जिले में अब तक 33702 मीट्रिक टन गेहूं की आवक और 31243.20 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है, जिसमें से 52.27 प्रतिशत मीट्रिक टन गेहूं की लिफ्टिंग पूरी हो चुकी है और शेष फसल की लिफ्टिंग का कार्य किया जा रहा है। डीसी ने खरीद एजेंसियों को किसानों की फसल का समय पर भुगतान करने के निर्देश दिए है ताकि उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने एजेंसियों से लिफ्टिंग कार्य में तेजी लाने की भी निर्देश दिए ताकि मंडियों में जगह की कमी न हो और नई फसल की आवक बाधित न हो सकें। डीसी ने कहा कि खरीद एजेंसियां स्टोरेज व्यवस्था को बेहतर ढंग से प्रबंधित करें और किसानों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखे।

डीसी ने किसानों से अपील करते हुए कि वे अपने अनाज को तय मानकों के अनुसार सुखाकर ही मंडियों में लेकर आएं, ताकि उनकी उपज बिना किसी रुकावट के खरीदी जा सके। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि मंडियों में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो और सभी कार्य सुचारू रूप से संपन्न किए जाएं।

रेवाड़ी। रेवाड़ी अनाजमंडी से फसल की लिफ्टिंग करते मजदूर। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। अनाजमंडी में टीनशेड के अंदर व बाहर रखी अनाज की बोरियां।

अखिल ब्राह्मण वृह्त सभा ने परशुराम जन्मोत्सव मनाया

हरिभूमि न्यूज. कोसली

कोसली की अखिल ब्राह्मण वृह्त सभा की ओर से भगवान परशुराम का जन्मोत्सव जुड्डी रोड़ पर स्थित भवन में धूमधाम से मनाया गया। सभा के प्रधान गोपीचन्द शर्मा व उप प्रधान सुरेश शास्त्री ने सभी को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण पूरे समाज का पथ प्रदर्शक रहा है। ब्राह्मण समाज को अपने दायित्व को समझने तथा सामाजिक बुराईयों को दूर करने के लिए समाज को जागरूक करने की आवश्यकता है। शिक्षक कृष्ण भारद्वाज ने समाज के लोगों से अपने बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देने तथा अच्छे संस्कार देने का आह्वान किया। जिला शिक्षा अधिकारी नूंह राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम समस्त समाज के हितकारी व पाप का नाश करने वाले थे।

उन्होंने समाज के लोगों से उनके आदर्शों को अपनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर ओमप्रकाश भारद्वाज, सूबे सिंह भारद्वाज भावली, धर्मबीर शर्मा, ऋषिराज शर्मा, सचिन, मुकेश कुमार, रामौतार शर्मा, कोषाध्यक्ष नकुल देव शास्त्री व महाबीर शर्मा उपस्थित थे।

डिजिटल स्व-गणना स्टीक सूचना देने का मौका: धर्मसिंह

नारनौल। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी धर्मसिंह ने डिजिटल स्व-गणना को लेकर जागरूकता अभियान चलाया। जिसके अंतर्गत उन्होंने ग्रामीण लोगों को डिजिटल स्व-गणना करने के लिए जागरूक किया। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता के बाद देश में आठवीं जनगणना का हम सब हिस्सा बनने जा रहे हैं। हरियाणा प्रदेश में एक से 30 मई तक आवासों की गिनती का कार्य शुरू होने जा रहा है, जो जनगणना का प्रथम चरण है। इस चरण को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए सभी नागरिकों को डिजिटल स्व गणना का मौका दिया जा रहा है। जिसमें नागरिक अपनी स्व गणना स्वयं कर सकते हैं।

असत्य पर सत्य की जीत का नाम परशुराम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम जयंती के उपलक्ष्य पर रविवार को सिहमा में शिव परशुराम मंदिर में हवन यज्ञ आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक एडवोकेट हेमंत भारद्वाज सिहमा ने बताया कि अनेक वर्षों से सिहमा में भगवान परशुराम जयंती को समाजिक सौहार्द के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम में बाबा भैरुनाथ आश्रम खोल के महंत लालनाथ महाराज मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आचार्य क्रांति निर्मल शास्त्री ने वेद मंत्रों के 36 बिरादरी के लोगों को यज्ञ में आहुति दिलवाई। इस अवसर पर महंत लालनाथ महाराज ने कहा कि भगवान परशुराम का जन्म गो और धर्म की रक्षा के लिए हुआ था। उन्होंने भारत की भूमि पर जन्म लेकर तत्कालीन दुष्ट अत्याचारियों का 21 बार संहार किया था। असत्य पर सत्य की विजय का नाम ही परशुराम है। महंत लालनाथ ने परशुराम जयंती को समाजिक एकता और सौहार्द के रूप में मनाने के एडवोकेट हेमंत भारद्वाज सिहमा की सराहना की। समाज में समाजिक कार्य करने वाले व्यक्तियों को महंत लालनाथ भगवान परशुराम की स्मृति चिह्न और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

नारनौल। भगवान परशुराम मंदिर सिहमा में हवन में आहुति डालते लोग। व जयंती कार्यक्रम में महंत लालनाथ को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सिहमा में चला स्वच्छता अभियान रविदास चौपाल को किया साफ

मंडी अटेली। खंड सिहमा स्थित रविदास चौपाल में स्वच्छता अभियान चलाकर आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की गई। अभियान का नेतृत्व पूर्व पंच बनवारी लाल ने किया, जिसमें ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। अभियान के दौरान चौपाल परिसर और आसपास फैले कूड़ा-कचरे को एकत्रित किया गया। बाद में ग्राम पंचायत के ट्रैक्टर के माध्यम से कचरे का उचित निष्पादन किया गया। ग्रामीणों ने साफ-सफाई को नियमित रूप से जारी रखने का संकल्प लिया और गांव को स्वच्छ व सुंदर बनाने का संदेश दिया। इस मौके पर सरपंच सुमन यादव कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह हमारी रोजमर्रा की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि गांव को साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए नियमित रूप से ऐसे अभियानों में भाग लें और अपने आसपास सफाई का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने यह भी कहा कि सामूहिक प्रयास से ही गांव को स्वच्छ और आदर्श बनाया जा सकता है। ग्रामीणों ने साफ-सफाई को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया और गांव को स्वच्छ व सुंदर बनाने का संदेश दिया। वहीं पूर्व पंच बनवारी लाल ने कहा कि इस तरह के अभियान गांव में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ लोगों को एकजुट करने का काम करते हैं। उन्होंने सभी के सहयोग के लिए आभार जताया और भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रखने की बात कही।

परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर रविवार को अटेली में भगवान परशुराम गौड़ ब्राह्मण सभा (रजि. 0030) द्वारा द्वितीय भगवान परशुराम जन्मोत्सव बड़े धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रभर से बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया और आयोजन को सफल मनाया। कार्यक्रम पर सुबह सवा आठ बजे विधिवत हवन यज्ञ के किया गया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र कुमार भारद्वाज ने भगवानन परशुरामम के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चारण से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। हरियाणवी कलाकार गगन शर्मा ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में रंग भर दिया। मुख्य अतिथि जितेंद्र कुमार भारद्वाज ने अपने संबोधन में भगवान परशुराम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं, जिन्होंने अन्याय के खिलाफ संघर्ष कर धर्म की स्थापना की।

मंडी अटेली। परशुराम जन्मोत्सव पर मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि व अन्य।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर कुलदीप वशिष्ठ (प्रदेश अध्यक्ष, हरियाणा) सहित विशिष्ट अतिथि एडवोकेट राकेश शर्मा, अमित भारद्वाज, बुद्धिप्रकाश शर्मा व भूपसिंह मास्टर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम पीठाधीश्वर श्रीश्री 1008 महाराज शंकर दास के सान्निध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाज के बच्चों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए मुख्य अतिथि के द्वारा सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में सभा के प्रधान गौरव गौड़, सचिव ईश्वर, राजेश कौशिक, जोशी, कोषाध्यक्ष भवानी शंकर कार्यकारणी सदस्य कमल वशिष्ठ, मनोज मुदगिल, रोहतास मुनीम, नरेश शर्मा, देवेंद्र शर्मा (बीईओ), शिवकुमार शर्मा, रामप्रसाद शास्त्री, आलोक कौशिक, एडवोकेट सुमित गौड़, पंकज गौड़, रामकिशन शर्मा, मुकेश महासर आदि मौजूद रहे।

गांव-शहर में हो रही पैमाइशों में गाइडलाइन का सख्ती से हो पालन

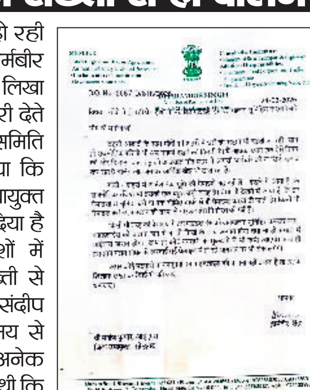

महेंद्रगढ़। गांवों व शहरों में हो रही पैमाइशों को लेकर सांसद धर्मबीर सिंह ने जिला उपायुक्त को पत्र लिखा है। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि सांसद धर्मबीर सिंह ने जिला उपायुक्त को लिखे अपने पत्र में निर्देश दिया है कि सभी प्रकार की पैमाइशों में निर्धारित गाइडलाइंस का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। संदीप मालड़ा ने बताया कि लंबे समय से सांसद धर्मबीर सिंह को अनेक मामलों में ये शिकायत मिल रही थी कि बहुत सी पैमाइश पूरे सही तरीके से नहीं हो रही थी। राजनीतिक द्वेष 0 अन्य अनेक कारणों से पैमाइश करवाई जाती है, परंतु इनमें सरकार द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस का पालन नहीं होता है, जिससे ये पैमाइश सही नहीं हो पाती है। गलत तरीके से की गई पैमाइश से ना सिर्फ सामाजिक माहौल खराब होता है, बल्कि बहुत बार तो अनावश्यक आर्थिक बोझ भी पड़ता है तथा मुकदमेबाजी भी बढ़ती है। साथ ही गांव-मौहल्ले का आपसी भाईचारा भी खराब होता है। गरीब आदमी पर बिना वजह का आर्थिक बोझ पड़ता है या फिर उसे नाजायज तंग किया जाता है। जबकि हरियाणा सरकार की तरफ से लैंड रिकार्ड मैनुअल में सभी गाइडलाइंस स्पष्ट रूप से निर्धारित कर रखी है। सांसद ने अपने पत्र में कहा है कि इन गाइडलाइंस का सख्ती से पालन सुनिश्चित करवाया जाए तथा राजस्व विभाग का जो भी कर्मचारी या अधिकारी इनकी अनुपालना नहीं करता उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

श्रीश्याम बाबा का जागरण किया

नारनौल। श्रीश्याम आस्था मंडल के तत्वावधान में शनिवार रात को रेवाड़ी रोड पर कैलाश नगर में जगदीश प्रसाद सैनी ठेकेदार, संजय सैनी, चिंटू सैनी के निवास स्थान पर जागरण किया गया। जिसमें मुख्य यजमान जगदीश प्रसाद सैनी परिवार रहा। जिसकी अध्यक्षता मंडल के प्रधान हरिओम गर्ग ने की। इस अवसर पर सुरेश सोनी ने बाबा का भव्य दरबार रंग बिरंगे फूलों व लाइटों से सजाया। मंडल प्रवक्ता हेमंत गुप्ता ने बताया कि आचार्य अजय शर्मा ने मुख्य यजमान जगदीश प्रसाद सैनी, कृष्णा देवी से परिवार सहित मंत्रोच्चार के बाद बाबा की पवित्र ज्योति प्रज्वलित करवाई। गौरव म्यूजिकल ग्रुप से सुनील कुमार ने गणेश वंदना करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गणेश वंदना के बाद श्रीसंजय शर्मा ने खाटू के श्यामजी रखोंगे मेरी लाज, जिगर लखेरा ने मोर छड़ी लहराई रे, अजय शर्मा ने श्रृंगार तेरा बाबा कहो किसने सजाया है, सुमित्रा सैन ने तेरा कृष्ण काला री काटे है चाला री, बबलू शर्मा ने कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो है आदि भजन सुनाकर वातावरण श्याम में बना दिया।

नारनौल। जागरण में यजमान को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए।

डॉ. आंबेडकर की जीवनी से मिलती रहेगी प्रेरणा

नांगल चौधरी। डॉ. भीमराव अंबेडकर 135वीं जयंती नांगल दुर्गू में हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई। जिसमें विधायक मंजू चौधरी मुख्य रूप से मौजूद रही। समाजसेवी डॉ. गजेसिंह चोपड़ा, कांग्रेसी नेता सत्यपाल दहिया, ओमप्रकाश मांडैया ने बतौर विशिष्ट अतिथि रहे। उन्होंने युवाओं को अंबेडकर की जीवनी से अवगत कराया तथा शिक्षित बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के संघर्षमय जीवन, उनके विचारों और संविधान निर्माण में अतुलनीय योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। संविधान में प्रत्येक नागरिक को सर्वोच्च पद हासिल करने का अधिकार है। साथ ही प्रत्येक नागरिक को मौलिक अधिकार दिए गए हैं जिनका हनन करना कानून अपराध है। डॉ. अंबेडकर ने विषम परिस्थितियों में उच्च शिक्षा हासिल करने के साथ समाज में फैली छुआछूत, अनपढ़ता तथा रूढीवादिता के खिलाफ संघर्ष किया था।

नांगल चौधरी। समारोह में मेधावी प्रतिभाओं को सम्मानित करती विधायक मंजू चौधरी। फोटो : हरिभूमि

न्याय व वीरता के प्रतीक हैं भगवान परशुराम

सतनाली मंडी। श्री परशुराम पार्क सतनाली में भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर हवन यज्ञ, संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र की सुख, समृद्धि की कामना की गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने हवन में आहुति डाली और भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके चरणों में नमन किया। इस अवसर पर भगवान परशुराम वेलफेयर सोसायटी के निवर्तमान प्रधान शिवकुमार शास्त्री ने कहा कि भगवान परशुराम केवल एक समाज विशेष के नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए न्याय और वीरता के प्रतीक हैं। भगवान परशुराम का जीवन हमें अधर्म के खिलाफ लड़ने और सत्य के मार्ग पर चलने की शिक्षा देता है। उनके आदर्श आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने प्राचीन काल में थे। हमें उनके जीवन के सिद्धांतों, त्याग और विचारों को अपने जीवन में आत्मसात कर समाज की उन्नति के लिए आगे बढ़ना चाहिए। इस मौके पर सुरेश सुरेहती, डॉ. अशोक शर्मा उरीका, डिगरोता से साधुराम शर्मा, सज्जन थानेदार, सुभाष शर्मा आदि मौजूद रहे।

नांगल दूर्गू में धूमधाम से मनाई बाबा साहेब की जयंती

नारनौल। गावं नांगल दूर्गू में भारतरत्न व संविधान निर्माता डा. भीम राव अंबेडकर की 135वी जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई, जिसके संयोजक सूबेदार सेडाराम थे, जिसमें विशिष्ट अतिथि एचएमएल के पूर्व चेयरमैन सत्यपाल दहिया, डा. गजेसिंह चौपड़ा एवं हरियाणा प्रदेश कांग्रेस एससी सैल के सचिव ओमप्रकाश माडंया थे। सभी वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डाला तथा समाज में फैली हुई कुरुतियों गावं में डीजे बजाने, मृतभोज आदि न करके अपना पैसा अपने बच्चों की पढ़ाई पर खर्च करने का संकल्प दिलाया गया, ताकि बच्चे आगे चलकर देश और प्रदेश एवं गांव व समाज का नाम रोशन कर सकें। बाबा साहब के बताए तीन नारों पर प्रकाश डाला। संगठित रहो, शिक्षत बनो एवं संघर्ष करो। उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर मुख्य रूप से अम्बेडकर सभा नांगल चौधरी के प्रधान मास्टर ईश्वर सिंह, पूर्व प्रधान सुनील मास्टर, राजेश, ओमप्रकाश थानेदार, भागीरथ बापला एवं गांव के गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

सियासत तेज टिकट को लेकर राव के हस्तक्षेप की चर्चाएं जोरों पर, मर्जी के खिलाफ प्रत्याशी घोषित हुआ तो मचेगा बवाल

भाजपा में प्रत्याशी लगभग फाइनल, आज हो सकती है नाम की घोषणा, समर्थकों को अपने प्रत्याशी की आस

नरेन्द्र वत्स ▶▶ रेवाड़ी

दिल्ली में रविवार को हुई भाजपा चुनाव समिति की बैठक में नगर परिषद चेयरमैन प्रत्याशी का नाम लगभग तय हो चुका है। देर रात या सोमवार को नाम की घोषणा हो सकती है। घोषणा में देरी का कारण टिकट को लेकर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का हस्तक्षेप माना जा रहा है। अगर राव की मर्जी के खिलाफ किसी प्रत्याशी को उम्मीदवार बनाया जाता है, तो पार्टी को चुनाव जीतने में बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

भाजपा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिला स्तर पर प्रभारी और सह प्रभारी से तीन नामों का पैनल शीर्ष नेतृत्व के पास भेजा गया था। इनमें से किसी एक नाम पर चुनाव समिति को फाइनल निर्णय लेना था। दिल्ली में हुई चुनाव समिति की बैठक में सीएम सहित केंद्रीय मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी बैठक में पहुंच गए थे। सूत्रों के अनुसार राव की ओर से विनिता पीपल को चेयरमैन की टिकट दिलाने पर जोर दिया गया। पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता इस पर सहमत नजर नहीं आए। इन नेताओं ने व्यक्ति विशेष की बजाय संगठन से जुड़े एक अन्य नेता की पत्नी को टिकट देने की सिफारिश की, जिस पर राव सहमत नहीं हुए। इसके बावजूद चुनाव समिति की ओर से नाम फाइनल तो कर लिया गया, परंतु उसकी घोषणा से पहले पार्टी हर पहलू पर विचार करेगी। चेयरमैन के नाम की घोषणा रविवार देर रात या सोमवार को की जा सकती है। यह तय माना जा रहा है कि अगर राव की मर्जी के अनुसार टिकट नहीं दी गई, तो भाजपा को सीट निकालने के लिए बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

दोनों सूरत में खतरा बरकरार

भाजपा अगर राव की जिद के आगे झुकते हुए उनकी समर्थित प्रत्याशी को टिकट थमाती है, तो राव को प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित कराने में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। पार्टी में भीतरघात की पूरी आशंका बनी रहेगी। पिछले चुनावों में इसका उदाहरण साफ तौर पर देखने को मिला था, परंतु राव समर्थित प्रत्याशी को चेयरमैन बनवाने में कामयाब हो गए थे। इसके विपरीत अगर भाजपा राव की मर्जी की बजाय संगठन को तवज्जो देती है, तो राव समर्थक उसे जीत से दूर रखने में अपनी रणनीति पर काम कर सकते हैं।

खेल बिगाड़ने में राव नंबर वन

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह जिद पर आने के बाद किसी भी चुनाव में किसी भी प्रत्याशी और पार्टी का खेल बिगाड़ने में माहिर माने जाते हैं। भाजपा बीते वर्ष मानेसर नगर निगम चुनाव में इसका नमूना देख चुकी है। मानेसर में राव की मर्जी के खिलाफ मेयर प्रत्याशी बनाया, तो तमाम कौशिशों के बावजूद भाजपा अपने प्रत्याशी को जीत नहीं दिला पाई। इसके विपरीत अपनी समर्थित प्रत्याशी को राव मेयर पद पर आसीन करने में कामयाब हो गए थे। भाजपा के लिए यह बड़े झटके से कम नहीं था।

कचरे में लगी आग ने लिया विकराल रूप, आसपास की झोपड़ियां चपेट में आईं

छोटे सिलेंडर भी फटे, चारों तरफ फैले धुएं से दहशत में आए लोग

कोनसीवास रोड पर एक दर्जन झुग्गियां आग लगने से राख

रेवाड़ी। आग लगने से राख हुईं झुग्गियां, सामान में लगी आग को बुझाते दमकल कर्मी तथा आगजनी की घटना के समय मौजूद लोग। फोटो : हरिभूमि

- परिवारों का मतदान के लिए पश्चिम बंगाल जाने के कारण बड़ा हादसा टला, समय पर फायर ब्रिगेड पहुंचने से आईजीएल पाइप लाइन का हुआ बचाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रविवार दोपहर बाद कोनसीवास रोड पड़े कचरे में अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने भीषण रूप लेकर पास में स्थित झुग्गी-झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने से चारों ओर धुआं फैल गया, जिससे आसपास में रहने वाले लोग दहशत से अपने घरों से बाहर आ गए। आग लगने से झुग्गियों में रखे छोटे सिलेंडर भी फट गए। आगजनी की घटना में करीब एक दर्जन झुग्गियां जलकर राख हो गई, वहीं झुग्गियों के पास पड़ा कबाड़ भी राख में तब्दील हो गया। सूचना के बाद मौके पर पुलिस व फायर बिग्रेड की कई गाड़िया भी पहुंच गई। काफी देर मशक्कत के बाद फायर बिग्रेड ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक करीब एक दर्जन झुग्गियां जलकर राख हो गई।

पास से गुजर रही आईजीएल पाइप लाइन

सेक्टर-4 में बनी इन झुग्गियों के पास स्थित रिहायशी इलाकें में बने मकानों के लिए आईजीएल की गैस पाइप लाइन भी गुजर रही है। पाइप लाइन आगजनी स्थल से कुछ दूरी से ही गुजर रही है। गनीमत ये रही कि आग की लपटें पाइप लाइन तक नहीं पहुंची और सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड ने आग पर काबू पा लिया, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।

मतदान करने गया हुआ था परिवार

सेक्टर-4 से लगते कोनसीवास रोड पर लंबे समय से करीब 60-70 झुग्गियां बनी हुई है, जिनमें राजस्थान, यूपी सहित पश्चिम बंगाल के लोग रहते है। ज्यादातर लोग कबाड़ का काम करते है और पास में कचरे का ढेर भी लगा हुआ है। रविवार दोपहर बाद झुग्गियों के पास पड़े कबाड़ में आग लग गई। जल्द ही हवा के साथ फैली आग ने करीब एक दर्जन झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग से झुग्गियों में रखे दो-तीन सिलेंडर भी फट गए, जिससे आग ज्यादा फैल गई और चारों तरफ धुआं फैल गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची आठ फायर बिग्रेड ने आग पर काबू पाया। गनीमत ये रही की आगजनी के समय पश्चिम बंगाल का परिवार मतदान करने के बंगाल गया हुआ था, जिससे जानमाल की हानि होने से बच गई। करीब 40 से 50 झुग्गियां आगजनी स्थल से दूर होने के कारण आग की लपटों के चपेट में आने से बच गई। कोनसीवास रोड स्थित झुग्गियों में पहले भी कई बार आगजनी की घटना हो चुकी है।

दहशत में आए लोग

कोनसीवास रोड पर बनी झुग्गियों के पास ही सेक्टर-4 व सरस्वती विहार कॉलोनी का रिहायशी इलाका भी है। अचानक आग फैलने से चारों ओर धुआं हो गया, जिससे सेक्टर व कॉलोनी के लोग दहशत में आ गए तथा अपने मकानों से बाहर आकर खड़े हो गए। आगजनी के स्थल पर भी लोगों की काफी भीड़ लग गई। मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड के आग पर काबू पाने के बाद रिहायशी इलाके के लोगों की सांस में सांस आई और अपने मकानों के अंदर लौटे।

लड़कों की सौ मीटर रेस में अंकुश लड़कियों में तन्वी ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले के गांव कारोली में जिला स्तरीय सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के विजेता राज्य स्तरीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेंगे। प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। राज्य स्तरीय सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता 30 अप्रैल को नरवाना में आयोजित की जाएगी। सीनियर वर्ग लड़कों की 100 मीटर रेस में अंकुश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि देश ने द्वितीय तथा शुभम ने तृतीय स्थान हासिल किया। सीनियर वर्ग लड़कियों की 100 मीटर रेस में तन्वी यादव ने प्रथम, साक्षी ने द्वितीय तथा रीतु कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

संयुक्त परिवार बनाने में महिलाओं की होती है विशेष भूमिका : डा. नीरू

रेवाड़ी। रविवार को पंजाबी धर्मशाला में सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आओ संयुक्त परिवार की ओर चले का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि पंचनद के जिला प्रधान केशव चौधरी, समाजसेवी श्याम सुंदर वर्मा व हमारा परिवार संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि रिश्तों की मीठी छांव में संयुक्त परिवार बनता है। आज का बचपन डिप्रेशन में है, संस्कारों से वंचित है और चिड़चिड़ा हो गया है। उसका मुख्य कारण एकल परिवार है। पहले बच्चा कोई गलती करता था, पिता धमकाते थे, लेकिन दादा उसे समझाकर मना लेते थे। बच्चे मां से नाराज होते थे तो दादी मीठी-मीठी दुलार भरी बातें करके उन्हें फिर से मजबूत बना देती थी। दादा-दादी के सान्निध्य में रहते हुए बच्चों में अच्छे संस्कार अपने आप पनपने लगते थे।

ब्राह्मण सभा ने धूमधाम से मनाया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

रेवाड़ी। भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर प्रभात फेरी निकालते लोग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

ब्राह्मण सभा की ओर से रविवार का अक्षय तृतीया के पर्व पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। ब्राह्मण सभा की ओर से शहर में प्रभातफेरी निकाली गई। इसके बाद ब्रह्मगढ़ परिसर में हवन व भंडारे का आयोजन किया गया। सभा के प्रधान चंद्रशेखर गौतम की अध्यक्षता में पंडित महेश पतसारिया की ओर से पूजन कर प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी ब्रह्मगढ़ से प्रारंभ होकर अग्रसैन चौक, नई सब्जी मंडी, कटला बाजार, जीवली बाजार, घंटेश्वर महादेव मंदिर, गुड़ बाजार, बारा हजारी, दुर्गा मंदिर, भगवान जगन्नाथ मंदिर व बड़ा तालाब हनुमान मंदिर होते हुए ब्रह्मगढ़ परिसर पर संपन्न हुई।

प्रभु नाम के रसपान को त्याग जरूरीः संत कंवर महाराज

- परमात्मा के नाम का रस वो ही ले सकता है, जिसने चारो मार्गो को भक्ति के लिए खोल दिया हो

रेवाड़ी। राधास्वामी आश्रम में प्रवचन देते हुए सतगुरु कंवर साहेब महाराज तथा सत्संग में मौजूद साध-संगत। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने कहा कि जो इंसान सेवा में मन लगाता है,वो अपने हृदय के प्रेम को ही दिखाता है, क्योंकि प्रेम भक्ति का आधार है। सेवा आपके अंतर में खुशी का तार छेड़ती है, अंतर के सुख के बिना भक्ति संभव नहीं है। जिस प्रकार हमारे लिए निरोगी काया आवश्यक है, वैसे ही मानसिक स्वास्थ्य के लिए आंतरिक सुख या खुशी भी आवश्यक है। यह सच्चा सुख भक्ति में निहित रहता है और भक्ति का मार्ग संतों का सत्संग खोलता है। सत्संग सत्य का संग है और सत्य भेदभाव रहित होता है। सत्संग आपके अंतर के सूनेपन को समाप्त करके उसमें परमात्मा के नाम की उमंग जगाता है। सतगुरु कंवर साहेब महाराज रविवार को रेवाड़ी के कनीना रोड स्थित गांव जाड़रा गांव के राधास्वामी आश्रम में प्रवचन दे रहे थे। महाराज ने कहा कि प्रभु नाम के रस का आनंद पाने के लिए बहुत कुछ त्यागना पड़ता है,अपने आप को दीन-हीन बनाना पड़ता है। परमात्मा के नाम का रस वो ही ले सकता है, जिसने चारो मार्गो को भक्ति के लिए खोल दिया हो। अब सवाल उठता है काल माया के जाल से निकलने के ये चार रास्ते कौन से हैं। ये रास्ते हैं भक्ति ज्ञान बैराग और योग। इनमें से कोई एक रास्ते पर चलता है, कोई दो पर, कोई तीन तो कोई चारों पर, लेकिन उनका क्या करें, जिन्होंने ये चारो मार्ग ही निरुद्ध कर लिए हो। चारों मार्ग को खोलने की चाबी संतों के सत्संग में ही मिलती है। सत्संग आपकी आशा तृष्णा लोभ मोह अहंकार को मिटाता है। उन्होंने फरमाया कि जिसकी सत्संग में रुचि नहीं है उसमें न भक्ति जागती है न बैराग पैदा होता है। उन्होंने कहा कि समझ की यौनि में पैदा होकर भी यदि आपने अपने हृदय आंख और कान को सतगुरु सत्संग और सतनाम में नहीं लगाए तो सब वृथा है।

महाराज ने कहा कि इंसान के पास एक नहीं अनेकों बल होते हैं। कभी विद्या का कभी धन का कभी रूप का तो कभी ताकत का। जब तक इन बलो के अभिमान में रहोंगे तब तक अभिमान में रहोंगे, लेकिन जब इन बलों को संतों के चरणों में हार जाओंगे तो अपने असल लक्ष्य को भी पा जाओंगे।

वीर सावरकर जयंती 28 मई को, राव नरबीर करेंगे शिरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

वीर सावरकर विचार मंच के संस्थापक श्रीनिवास शर्मा शास्त्री के नेतृत्व में मंच का एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुग्राम में कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह से मुलाकात की तथा 28 मई को आयोजित होने वाले वीर सावरकर जयंती समारोह में मुख्यातिथि के रूप में शामिल होने का निमंत्रण दिया। राव नरबीर ने निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया।

श्रीनिवास शर्मा शास्त्री ने कहा कि वीर सावरकर की याद में ब्रास मार्केट स्थित सावरकर उद्यान के जीर्णोद्धार का कार्य तेजी से चल रहा है। इस उद्यान में सावरकर के बलिदान इतिहास को समाहित किया जाएगा। शहर के सैकड़ों देशप्रेमी इस मिशन में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि समारोह में अखंड भारत वर्ष द्वार की नींव रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि जयंती समारोह की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और इसे यादगार कार्यक्रम मनाया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में प्रचारमंत्री सुरेश जाजोरिया, कोषाध्यक्ष पवन गुप्ता, महीपाल यादव व प्रदीप कुमार शर्मा शामिल थे।

खबर संक्षेप

यादव सभा के निःशुल्क कैंप में सौ मरीजों की हुई स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में 100 मरीजों की जांच कर फ्री दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मेडिसन, हड्डी रोग, सर्जरी, नेत्र रोग, दंत रोग और बाल रोग के रोगियों को ओपीडी सेवाएं प्रदान की। इसके अलावा फिजियोथेरेपी की भी सेवाएं दी गई। शिविर के आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, शशिभूषण, अमर सिंह, रामसिंह, गोकल राम व प्रवक्ता प्रो. सतीश यादव ने सहयोग दिया।

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों अभिभावकों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम

रेवाड़ी। दिल्ली रोड पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में कक्षा तीसरी के विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में नई शिक्षा नीति-2020 के तहत रटने की जगह समझ और कौशल आधारित शिक्षा, प्रोजेक्ट व गतिविधियों से होने वाले समग्र मूल्यांकन और शिक्षा के चार स्तंभ लर्निंग टू नाउ, टू डू, टू लिव और टू बी पर चर्चा की गई। अभिभावकों को बताया गया कि बच्चों की प्रगति में नंबर से ज्यादा रचनात्मकता और घर की भागीदारी मायने रखती है, जबकि बच्चों ने सीखा कि सवाल पूछना और खेल-खेल में सीखना ही असली शिक्षा है। कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल और अभिभावकों के बीच मजबूत साझेदारी बनाना रहा, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सकें। स्कूल स्टाफ ने सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मई को

रेवाड़ी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम अमित वर्मा ने बताया कि न्यायिक परिसर में 9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दोनों पक्षों की सहमति से मामलों का निपटारा कराया जाएगा। डालसा सचिव एवं सीजेएम अमित वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित निपटारा कराना है। लोक अदालत में ट्रैफिक चालान, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना अधिनियम, पारिवारिक विवाद, दीवानी एवं फौजदारी मामले, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, बिजली-पानी के बिलों तथा राजस्व के मामलों का निपटारा किया जाएगा। सीजेएम ने आमजन से राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कोर्ट में अपने लंबित मामलों को आपसी सहमति से हल करा लेने में ही फायदा है, जिससे कम समय और मामूली खर्च में ही विवाद का निपटारा हो जाए। कोई भी केस में कोर्ट में चलता है तो लोगों को उसके लिए बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं और धन व समय भी खर्च होता है। लोक अदालत में आदमी आकर विवाद को सुलझा ले तो यह वहीं समाप्त हो जाता है।

डीएससी समाज की बैठक, समस्याओं पर चर्चा

रेवाड़ी। डीएससी समाज की मीटिंग कालाका रोड स्थित वाल्मीकि आश्रम में हुई। शिवलाल सारवान के नेतृत्व में आयोजित मीटिंग का संचालन सुनील कुमार ने किया। मीटिंग में समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। डीएससी प्रधान विजय इंदौरा ने कहा कि मुख्यमंत्री की ओर से एससी आरक्षण में वर्गीकरण करके डीएससी वर्ग को नौकरियों में अलग से 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की है। रेवाड़ी में नगर परिषद के चुनाव होने वाले है। उन्होंने नगर परिषद रेवाड़ी की चेयरपर्सन के लिए डीएससी समाज को प्रतिनिधित्व देने की मांग की। कहा कि जो पार्टी डीएससी समाज को टिकट देगी। डीएससी समाज उसका पूर्ण समर्थन करेगा। उन्होंने डीएससी मेघवाल जाति को डीएससी सूची से हटाकर ओएससी में शामिल करने की भी मांग की। कहा कि सरकार को एचकेआरएन के तहत भर्ती न करके नियमित भर्ती करनी चाहिए तथा एचकेआरएन में भी आरक्षण की व्यवस्था की जाए। असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती में 35 प्रतिशत की कंडीशन को हटाया जाए। इस अवसर पर सुधीर कुमार प्रधान रेवाड़ी, शीशराम बागड़ी प्रधान धारूहेड़ा, राजकुमार चावरियां, प्रीतम सिंह भरपूर,पंकज किराड,अत्तर सिंह, दयाराम मोरवाल, राजेश खनगवाल, जितेंद्र कुमार वाल्मीकि, रिटायर्ड प्रिंसिपल मोहिंदर सिंह, टीनू प्रधान, प्रदीप वाल्मीकि, कृष्ण बिडलान, वेदप्रकाश बनवाल, डीएससी प्रधान विजय सिंह, कमलेश डाबला महिला प्रधान व पूर्व पार्षद रोहतास वाल्मीकि मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

धोखाधड़ी आस्था के नाम पर साइबर ठगी, रहें सावधान

फर्जी वेबसाइट, आकर्षक ऑफर्स से जाल में फंसा रहे साइबर ठग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने आमजन को धार्मिक बुकिंग धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के प्रति आगाह किया है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी लोगों की धार्मिक भावनाओं का फायदा उठाकर उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचा रहे हैं। साइबर ठग प्रसिद्ध मंदिर जैसे अयोध्या, खाटू श्याम व केदारनाथ के नाम से मिलती-जुलती फर्जी वेबसाइट और फेसबुक-इंस्टाग्राम पेज बनाते हैं। वीआईपी दर्शन, विशेष पूजा, कम कीमत में होटल और हेलीकॉप्टर बुकिंग के लुभावने ऑफर दिए जाते हैं। ठगों की ओर से सिर्फ कुछ ही स्लॉट बाकी हैं या आज आखिरी दिन है का झांसा देकर श्रद्धालुओं पर जल्द भुगतान के लिए दबाव बनाया जाता है। ठग आधिकारिक क्यूआर कोड के बजाय निजी यूपीआई आईडी या बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करा लेते हैं, जिससे लोगों की धार्मिक भावनाओं पर ठेस पहुंचने के साथ आर्थिक नुकसान भी होता है।

▶▶| कोई भी प्रतिष्ठित धार्मिक ट्रस्ट व्यक्तिगत बैंक खातों में पैसे नहीं मांगता: एसपी

ठगी से बचने के लिए सुरक्षा टिप्स

हमेशा मंदिर की ऑफिशियल वेबसाइट का ही उपयोग करें। गूगल सर्च में आने वाले टॉप विज्ञापनों पर बिल्कुल भरोसा न करें। बुकिंग से पहले वेबसाइट का यूआरएल चेक करें। संदिग्ध स्पेलिंग या बिना एचटीटीपीएस वाली साइट्स से बचें। कोई भी प्रतिष्ठित धार्मिक ट्रस्ट व्यक्तिगत बैंक खातों में पैसे नहीं मांगता है। किसी भी ट्रेवल एजेंट या पोर्टल से बुकिंग करने से पहले अन्य यात्रियों के रिव्यू और फीडबैक जरूर देखें। फेसबुक या व्हाट्सएप पर आने वाले लुभावने लिंक पर क्लिक करके भुगतान करने से बचें।

यदि ठगी हो जाए, तो क्या करें

यदि कोई भी इस तरह की ठगी का शिकार होता है, तो बिना समय गंवाए साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर तुरंत कॉल करें। अपनी शिकायत साइबरक्राइम.जीओवी.इन पर दर्ज कराएं या नजदीकी साइबर थाना या पुलिस स्टेशन में संपर्क करें। एसपी हेमेंद्र मीणा ने कहा कि साइबर अपराधी लोगों की आस्था का लाभ उठाने की कोशिश करते हैं। थोड़ी सी सावधानी और जागरूकता बड़े आर्थिक नुकसान से बचा सकती है। किसी भी संदिग्ध कॉल या लिंक पर भरोसा न करें और अपनी निजी जानकारी साझा न करें।

सेवानिवृत्त रेलवे कर्मियों ने की 8वें वेतन आयोग पर चर्चा, एक जनवरी 26 से लाभ देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। 8वें वेतन आयोग को लेकर चर्चा करते सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी।

नेशनल फडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन की सेवानिवृत्त एसोसिएशन ऑफ रेलवे की जिला शाखा की मासिक मीटिंग श्रीराम मंदिर रेलवे ड्रामेटिक क्लब परिसर में वरिष्ठ सरंक्षक मदन लाल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। मीटिंग का संचालन के के सक्सेना जोनल अध्यक्ष ने किया। मीटिंग में 8वें वेतन आयोग को लेकर चर्चा की गई। वक्ताओं ने 8वें वेतन आयोग में कुछ खास बातें रखते हुए कहा कि कम से कम लेवल एक का वेतन 69000 रुपये रखा जाए, फिटमेंट फैक्टर 3.833 रखा जाए, वार्षिक वेतन वृद्धि 3 प्रतिशत के स्थान पर 6 प्रतिशत की जाए, ग्रुप सी के कर्मचारियों के लिए छह पे स्केल बनाए जाए, जिस में लेवल एक, लेवल 2-3 को मिलाकर लेवल दो बनाया जाए, लेवल 4-5 को मिलाकर लेवल तीन बनाया जाए, लेवल छह को लेवल चार बनाया जाए, लेवल 7-8 को मिलाकर लेवल पांच बनाया जाए तथा लेवल 9-10 को मिलाकर लेवल छह बनाया जाए।

डीए/डीआर 25 प्रतिशत होने पर वेतन-पंशन में मिला दिया जाए। कार्यरत कर्मचारियों को एमएसीपीएस का लाभ 6, 12, 18, 24 एवं 30 वर्ष की सेवा पर दिया जाए, जो अभी 10, 20, एवं 30 वर्ष की सेवा पर दिया जा रहा हैं, इससे सर्विस में कर्मचारियों को पांच प्रमोशन मिल सकेंगे, जो अभी एमएसीपीएस के तहत तीन ही मिल पा रहे थे। उन्होंने कहा कि डीसीआरजी का अभी अधिक से अधिक 25 लाख को भुगतान सेवानिवृत्ति पर मिल रहा हैं, जिसको बढ़ाकर 75 लाख किया जाए। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कम्यूटेशन की कटौती 11 साल में पूरी की जाए, जो अब 15 साल में पूरी होती है। इसके अलावा अतिरिक्त पेंशन का भुगतान 65 वर्ष की आयु में 70 प्रतिशत अंतिम वेतन का, 70 वर्ष में 75 प्रतिशत अंतिम वेतन का, 75 वर्ष की आयु में 80 प्रतिशत अंतिम वेतन का, 80 वर्ष की आयु में 85 प्रतिशत अंतिम वेतन का, 85 वर्ष की आयु में 90 प्रतिशत अंतिम वेतन का तथा 90 वर्ष की आयु में 100 प्रतिशत अंतिम वेतन का भुगतान किया जाए तथा 8वें वेतन आयोग के सभी लाभ 1 जनवरी 2026 से दिए जाए। एसोसिएशन ने मांगों को लेकर अध्यक्ष 8वे वेतन आयोग को ऑनलाइन ज्ञापन भी प्रेषित किया।

एसोसिएशन सुप्रीम कोर्ट का आभार जताया कि उन्होंने भारत सरकार को कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों की गरिमा बनाए रखने के लिए पेंशन जरूरी हैं। भारत सरकार सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन को फ्रीज करने का मन बनाए बैठी हैं।